

ASHA ARCHIVES



नदीशर्मा मन्त्रिख

हा कुलमन्त्रिख दलमानाव यस्मिन्नाह
सन्नातमाहाकहा मोदुशाना पियहा मोहय
वानिके विक्रायत चिके न तस्मत्तयम

ASHA ARCHIVES

आशा मन्त्रिख

1.043

ASHA ARCHIVES

दहविय ॥ ॥ सत्माश्चानयानलिजयवयावधावश्च ॥ ०
उंचा मंद, यमाजिनं, ह्मिं, र्द, श्वाहा ॥ धा न जय वय, ला
हाय उ ग यवादिम स जाको हाका निन, च्छ्व शका थनका
स नय, नाहिक म्पे द्वा र्हा र्थ म्मान ॥ ॥ उं मयिये दलि की
ह्म क्मालि काना रुधुल, रुधुव, रुधा वि आह्मया द्वा र्थ

रुं ॥ बालि साय वा व हा थ च्चु क वा व घ द वी च्चु टिका व द्वा रा
ग ॥ धा न उ सा स्य वा व न, भवन य हा व च न की मनु ॥ ॥
उं ग (६) स्का व र्ज जि जि धा ह्म, थ मनु, थ मदाय मरुव ॥
उ थं य नय ॥ ॥ उं न न न न न न न न ली र्मि ह्म मा न र्द ॥ थ
मनु य द या व मे व दाय ॥ ॥ उं गु न् चान म उं न मा काम

वृथिनि स्वाहा ॥ समि मालन अत्र ख ख हं धान ३ सुयन अ
गुलिन व ड य व यं ड व ख व नानं जाय व य चाक्रासि ता व
न स रु कं व य न वी य ध सुयनं थ म ह्य ॥ ७ ॥ डं महानं
द हं रु ड ॥ धा १ ध १ रं हा १ वी ह क ची ग्री डा ॥ ॥ ध म रु न मि
सा वा य रि डा ॥ अन कान अ म कं व मि व स्वा हा ॥ १ ॥ डं च नु म हा ॥

का धाय ड च १ रि ह १ व ध १ मा रु १ रु न १ अ म कं रु ड ॥ १ ॥ डं च
ड मा वा व ड वा द न म ड वा र ड य र वा वि क म वा रु क र म मा रि डा
गु वृ ण कि म ता रु कि का ड का वि या गु वृ य व म ध्व नी ॥ ३ ॥
स्नान न सा व गु वि ह्य क स्नान य य न डा मि सा व य ॥ ७ ॥

[illegible][illegible]

उं वागामाह यगामाह हं मगाय हं ममाहं वागगाय वागमाहं याधिका यया
धिमाहं धागिको गिवाद्ययवसि वा माहं रुगममाह सिद्धि बुद्ध आह ॥ धाव न
धमरुन नृक वचन नृय वयं गिरा सुक याह डान डान डवक्राय मरुय कड
वा ॥ ॥ उं विरसं काध काला सिद्धि सव हं वगिन मा काध का बी का विरुं डं
सिद्धि बुद्ध आह धाव नृक वचन नृय वयं गिरा सुक याह डान डान डवक्राय मरुय कड
वा ॥ ॥ उं विरसं काध काला सिद्धि सव हं वगिन मा काध का बी का विरुं डं
सिद्धि बुद्ध आह धाव नृक वचन नृय वयं गिरा सुक याह डान डान डवक्राय मरुय कड
वा ॥ ॥ उं विरसं काध काला सिद्धि सव हं वगिन मा काध का बी का विरुं डं

वैरुं गंग निरुं डं ॥ सिद्धि वरुं यं गिरा सुक याह डान डान डवक्राय मरुय कड
वागामाहं गाला वा दाला वा हं वं ४०० स्वव वा वाग धमरुन नृय वयं गिरा
गड वग वा या नृक स मा ००० काय वग य थ काय व को या डा स ग ड डा गु
ड या डा ०० नाहि वा डा हा म वि वान न अंग वा व क ड नि डा री वा डा डा मरु
निरुय थ मरु नि कि न क मि सा मि र्ग थ रु व म य डा य र क रु वा ॥ धाव नृक
उं वै वै वै वै धाव नृक विरुं गिन नृग व सुव र म व न म व न रुय मरु रु वा ॥ ॥



ASHA ARCHIVES

ASHA ARCHIVES

ॐ ह्रीं कूं कूं कूं मिक कूं शो ॥ ॐ साद २ वज्रिमाचयकूं २६ मिनयूक
साजागवायमकु ॥ ॐ हाजगवावजदादनमदकाव २५ ववाविकमवा
जकवसमविजागुवसकि मवा रगति काउकाविजागुवयवसम्यवि
मवा मनथडा कडा यक स्वांनयुयक्त सवागक ॥ ॐ मंदकिक्कमिदि
किवाधियानि सावय रसना गंगा मायी रुवामं कुविचयं कि कि आह
॥ धर्मं नवधवावजवक अथ धर्मि सिद्धियदि डा निश्चय ॥ ॥ वृक्तदनि
याहा धविनि यियवि मनेव दि या डा समराग या हा डा लिनक थूमि

नवसडा ॥ ॥ २ कूं कूं म सावायासाक शवावन थूमि नराग नि
याडा नकं सर्ववस ॥ ॥ शिवगगान नाय नाय स्वाहा ॥ मिसा यागमवा
नजा हा डा जयवय धाव सवमिकधु ॥ ॥ मूकामदयक या कडा घधि ह
जिबि कूं मूनि नायुमिउ यियि वि स्वत्या वृ सध्वि थूमि समराग नि या डा
पूवा कि मिहाडि सं गान कूं शो ॥ ॥ नमो रागवक गुरुत्वलिकसि
दि नेववी ना मूं ज २ ह २ ह न २ डी २ ह २ व २ कूं कूं कूं ॥ धाव ३ ॥

१३ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ हि ज्ञात्वा सत्त्वं यद्विदित्वा च हृदि
प्रकटं रूढं स्वात्मधारयन् योगं देवाय यमं यथा हारतम
गुलं जालं ज्वलं नालं धूलं मधुं नालं स्वात्मधारयन् मित्रास्य
पूय ॥ २ सीधी गुं न जालं ॥ ३ वज्र जातिं हि वज्र कया
ल वज्र यानि रूढं मं नालं ॥ ४ तं किं वाचा सिधीं गुं न जालं
॥ ५ धातुं तज्जयमानं मयं यानाह या कथयते ॥

॥ ६ सा विरमा सा सा लि सा न च नित्यं कं रूढं स्वात्मधारय
तज्जयमानं कं सा तज्जयमानं ॥ ७ ॥ ८ सिधीं गुं न जालं ॥ ९
गं हृदि जातिं न यथा विजयं नालं ॥ १० धातुं कं रूढं नित्यं सा
धातुं तज्जयमानं यानाह मं वा वयं मयं सानया ॥ ॥
११ सिधीं गुं न जालं ॥ १२ मं वा वज्र यानि कं रूढं स्वात्मधारय
सिधीं गुं न जालं ॥ १३ मं वा वयं यानाह मं वा वयं ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥

सक्यालायत्वाहाधगडमस्याकयाचीचीकनसथूनाडमडा
य ॥ ॥ २३३ सीटंड नंरुठं सतामि कोंडी यार्क ॥ ॥ ३३ हि
यात्वाहाध ३ हि की यर्मथ ॥

मिं गाराजया २२
सतामि या २२ इति २२ या २२
क या मि नं प्रमु मरु

ओं ३६ आवावा ॥ ही देवी हुं फट स्वाहा ॥ १०००
जपया ॥ ३६ या २२ ॥ ओं ३६ आवा ॥ मुमी पा
ना ॥ १००० ॥ स्वाहा ॥ ३६ ॥ ३६ मंत्र पा पा व रु फ
२ ॥ ३६ या २२ ॥ आ का ॥ ३६ या ॥